

मलावी

प्रिय पास्टर टोनी अलामो,

अभिवादन। हमारे परमपिता परमेश्वर और प्रभु यीशु की आप पर कृपादृष्टि हो और आपको असीम शांति मिले। परमपिता परमेश्वर हमारे ऊपर प्रेम बरसाते हैं ताकि हम ईश्वर की संतान कहलाएं (1 यूहन्ना 3:1)। पास्टर, आप मेरे पास जो सामग्री भेज रहे हैं, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। हमारे ईश्वर आप पर आशीष बरसाएं। मैं और मेरी पत्नी तेम्वा आपके सूचनापत्र और अन्य प्रकाशन बांटने में व्यस्त हैं। मैंने एक छोटा दफ्तर खोला है जहां तमाम लोग आपकी सामग्री लेने के लिए आते हैं। कई लोगों ने अपने पापों के लिए पश्चात्ताप (पृष्ठ २ पर ज़ारी)

पास्टर अलामो की किताब मसाया (मसीहा) के उद्धरणों की श्रृंखला का यह चौबीसवां भाग है। यह श्रृंखला सूचनापत्र के आगामी अंकों में ज़ारी रहेगी।

महानतम अभिलिखित चमत्कार:

बाइबिल की भविष्यवाणी के अनुसार

का अभिलेख

"सभी नबियों ने यीशु के बारे में भविष्यवाणी की है" (प्रेरितों के काम 10:43) "बाइबिल में यीश् के बारे में यही लिखा है" (भजन संहिता 40:7, इब्रानियों 10:7)

यशायाह नबी की पुस्तक, अध्याय 53, (एक पिछले सूचनापत्र से आगे ज़ारी)

(9) दूसरों के लिए मसीहा का कष्ट उठाना (यशायाह 53:4-6, 8, 10-12)।

(पृष्ठ ४ पर ज़ारी)



पास्टर टोनी अलामो – फ़ोटो 1986

प्रिय पास्टर,

टोनी अलामो

बाइबिल के नबी, यहेजकेल को ईश्वर ने एक दिव्य दर्शन दिखाया। इस दिव्य दर्शन में यहेजकेल ने एक घाटी देखी जिसके एक भाग में मनुष्यों की सूखी हड्डियां बिखरी पड़ी थीं। ये हड्डियां इस्राएल और दुनिया के लोगों की आत्माओं की मृत-तुल्य अवस्था का प्रतीक थीं। यह दर्शन वास्तव में भविष्य का दर्शन था जिसमें दिखाया गया था कि यीशु पहली बार धरती पर आयेंगे और वह अपने ज़रिए मानवीय आत्माओं के उद्धार के बारे में उपदेश देंगे। इसमें यह भी कहा गया था कि "यीशु के शब्दों" में आस्था रखने

वाले लोगों की आत्माएं उद्धार पाकर अपनी मृत-तुल्य अवस्था से जागृत होंगी।

ईश्वर ने यहेजकेल से कहा, "क्या ये हड्डियां जीवित हो सकती हैं?" (क्या ये लोग, जिनकी आत्माएं मृत-तुल्य हैं, उनकी आत्माएं जागृत हो सकती हैं?) यहेजकेल ने कहा, "प्रभु, तूने ही उन्हें बनाया है। इसलिए, वे ज़िंदा हो सकती हैं या नहीं, इस बारे में तू ही जानता है।"2 ईश्वर ने नबी से फिर कहा, "इन हिड्डियों को उपदेश दे और उनसे कह, 'ओ सूखी हिड्डियों, प्रभु का शब्द सुनो।'" तब प्रभु ने इन हिड्डियों से कहा, "देखो, मैं तुम्हारे भीतर सांस फूंकूंगा जिससे तुममें जान आ जाएगी।"³

यहेजकेल के समय में इस्राएल का राष्ट्र एक शत्रु राष्ट्र से पूरी तरह पराजित होकर उसके अधीन (पृष्ठ 2 पर ज़ारी)

1 यहेजकेल 36:1, 4 2 यहेजकेल 37:3, इब्रानी बाइबिल से 3 यहेजकेल 37:4-5, अरामी बाइबिल से

घाना

मैं घाना से <mark>आपका अभिवादन कर रहा हूं।</mark> मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैंने अपने उद्धारक के रूप में यीश् को स्वीकार कर लिया है। मैंने आपकी पुस्तक मसाया (मसीहा) में पढ़ा कि वह इस धरती पर आए और क्रूस पर चढ़ गए। इसके पहले मैं ऐसी दुनिया में था जहां मुझे ईश्वर का ज्ञान नहीं था। मैं उनके बेटे मसीहा के बारे में भी नहीं जानता था। लेकिन आपकी पुस्तक पढ़ने के बाद अब मुझे मालूम हो गया है कि मैं कहीं भटक गया था मगर अब सही रास्ते पर आ गया हूं। मैं अंधेरे में था लेकिन परमेश्वर मुझे रोशनी में ले आए हैं। इसलिए यीशु के द्वारा

मेरी आत्मा का उद्धार हो गया है और अब मैं ईश्वर की संतानों में शामिल हूं। अभी तक मेरे पास बाइबिल नहीं है, इसलिए यदि संभव हो तो कृपया मुझे एक बाइबिल भेज दीजिए। उसके साथ अपनी पुस्तक *मसाया (मसीहा)* भेजें तो और भी अच्छा होगा। यदि आप ईश्वर को समझने में मदद करने वाली दूसरी पुस्तकें भी भेज सकें तो मैं आपका आभारी रहंगा। अब मैं कोफोरिदुआ में स्थित पेंटेकॉस्टल चर्च में जाता हूं। आपके नेक काम के लिए परमेश्वर आपको आशीष दे।

भवदीय,

डी.एफ.

कोफोरिदुआ, घाना

सूखी हड्डियां

(पृष्ठ 1 से ज़ारी)

हो चुका था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वह लगातार ईश्वर के ख़िलाफ़ विद्रोह कर रहा था। इस कारण से ईश्वर ने यहेजकेल से कहा कि वह पहले के इस्राएल से भी महान दूसरे राष्ट्र का निर्माण करेंगे क्योंकि पहले का इस्राएल अपने पाप करना छोड़ नहीं रहा था। दूसरे इस्राएल के इस राष्ट्र में दुनिया भर की मिलीजुली कौमें होंगी। वह थोड़े से यहूदियों और अनेक गैरयहूदियों का राष्ट्र होगा, जो सब यीशु में अपने विश्वास के कारण एकबद्ध होंगे। वनकी आत्माएं पाप के कारण हुई अपनी मृत-तुल्य अवस्था से जागृत हुई हैं। वे ईश्वर के ख़िलाफ़ विद्रोह कभी नहीं करेंगे। ये वे लोग हैं जिनकी आत्माओं का यीशु मसीह ने उद्धार किया है। 8

सन 1964 में यीशु के द्वारा मुझे उद्धार मिलने से पहले, मैं, बर्नी हॉफमैन उर्फ टोनी अलामो, अपनी जान-पहचान के लोगों के बीच एक बुरे

4 यहेजकेल 37:11 $\mathbf 5$ उत्पत्ति 17:4-16, 22:18, 26:4, 46:3, 48:19, 49:10, निर्गमन 19:6, 32:10, 1 पतरस 2:9-10, यूहला 11:51-52, प्रेरितों के काम 10:34-35, इफिसियों 1:10, प्रकाशितवाक्य 5:9, 14:6, इब्रानियों 8:8-12, भजन संहिता 22:27, यशायाह 2:2, और भी कई $\mathbf 6$ यूहला 15:1, रोमियों 11:17, 19, 23, 24, प्रकाशितवाक्य 7:4 $\mathbf 7$ 1 पतरस 2:9 $\mathbf 8$ प्रकाशितवाक्य 20:5-6, कुलुस्सियों 2:12, 3:1, रोमियों 15:12, 1 कुरिन्थियों 15:15, 16, 1 स्मिस्तुनिकियों 4:16

मलावी

(पृष्ठ 1 से ज़ारी)

किया और बपतिस्मा लिया है। इस छोटे दफ्तर में स्कूली बच्चे और दूसरे चर्चों के लोग आते रहते हैं। वे आकर सवाल पूछते हैं और फिर अपने पापों के लिए पश्चात्ताप करते हैं। अत: पास्टर अलामो, आपसे गुज़ारिश है कि आप विभिन्न तरह की ढेर सारी सामग्री भेजें। मुझे सूचनापत्रों और मसाया (मसीहा) पुस्तक की प्रतियां भेजें। हज़ारों लोग आ रहे हैं, मानो मैं पैसे बांट रहा हं, पर मैं उनमें ईश्वर के वचन बांट रहा हं। मैं नदी में लोगों को बपतिस्मा देने में लगा हुआ हूं। पास्टर, कृपया मुझे बाइबिल की प्रतियां भेजें ताकि मैं उन लोगों को ईश्वर की यह पुस्तक दे सकूं जिन्होंने अपने पापों का पश्चात्ताप किया है। यदि संभव हो तो कृपया आप कुर्सियों के लिए मेरी 100 डॉलर से मदद करें। मैं आपके सूचनापत्र बांटने के लिए ज़ाम्बिया गया था। वहां के लोग इन सूचनापत्रों से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने यीशु को अपना कर नदी में बपतिस्मा लिया। आपके सूचनापत्र सचम्च बहुत प्रभावशाली हैं। ईश्वर आप और आपके चर्च में काम करने वाले लोगों पर हमेशा कृपादृष्टि रखें। पास्टर एन.के. रुम्फी. मलावी

और पापी इंसान के रूप में जाना जाता था। मुझे ईश्वर के बारे में कुछ भी नहीं मालूम था। मैं नहीं जानता था कि ईश्वर का कोई अस्तित्व है। बाइबिल की बातें मेरे लिए मात्र काल्पनिक कथाएं थीं। यह मेरी समझ से बाहर था कि लोग ईश्वर या उनके बेटे में क्यों विश्वास करते हैं। मैं उन लोगों पर विश्वास नहीं करता था जो कहते थे कि वे ईश्वर में विश्वास करते हैं। इसका कारण यह था कि वे पाखंडी थे। वे मेरे जितना या मझसे अधिक पाप करते थे। मैं यह सब इसलिए जानता था क्योंकि मैं उनके साथ सदा घुमा करता था। हम सभी बेजान, सुखी हड़ियों के ढेर की तरह थे। यदि कोई शख्स मुझे ईसाई धर्म में परिवर्तित करने की कोशिश करता था. तो मैं नाराज़ हो जाता था क्योंकि बाइबिल पढ़ना मेरे लिए समय की बरबादी थी। जो जीवन मैं जी रहा था, उसमें मेरे लिए ऐसी काल्पनिक कथाओं के लिए कोई समय नहीं था।

विपणन (मार्केटिंग) उद्योग में, मैं सबसे अच्छा माना जाता था। दुनिया के कई मशहूर गायकों और अभिनेताओं के कैरियर को सफल बनाने में मेरा हाथ था। मैंने कई जाने-माने घरेलू उत्पादों का सफल प्रचार भी किया था। उस समय ईसाई बनना,

> सड़कों के किनारे यीशु से संबंधित पर्चे बांटना, शहर के गरीब इलाकों में रह कर यीशु का सन्देश देना और गरीब और भूखे लोगों को खाना खिलाना मेरे लिए सबसे बड़ा दु:स्वप्न था।

> साठ के दशक के मध्य में दुनिया की स्थिति अच्छी नहीं थी। मैं हिप्पी आंदोलन को नापसंद करता था, जिसकी विशेषताएं थीं नशीली वस्तुओं का उपयोग, गंदगी में रहना और नैतिकता की परवाह न करना। हॉलीवुड और बाकी दुनिया पर इस आंदोलन का जो प्रभाव पड़ रहा था. उससे मैं घृणा करता था। जहां तक मेरी अपनी बात थी, मैं कोई संत नहीं था। मुझे लोगों के पाप से कोई मतलब नहीं था। मुझे केवल बच्चों के सामने इन बुरी हरकतों के किए जाने पर परेशानी होती थी। मेरे लिए दुनिया खत्म हो चुकी थी। वह केवल एक मृत, नीरस, घृणित और सूनी जगह थी।9 दुनिया में किसी भी प्रकार का मूल्य नहीं रह गया था। मेरा मानना था कि मैं इस बात को जितनी अच्छी तरह जानता था, उतनी ही अच्छी तरह दुनिया के दूसरे लोग

कैलिफोर्निया

प्रिय पास्टर अलामो,

मैं यह पत्र पवित्र आत्मा की प्रेरणा से लिख रहा हं। मैंने प्रभू का अभेद्य कवच धारण कर लिया है (इफिसियों 6:10-17)। हाल में मैं एक ईसाई भाई के साथ बाइबिल पढ़ रहा था, और पवित्र आत्मा के माध्यम से हमें इस पुस्तक की कुछ सच्चाइयों और रहस्यों के बारे में जानने को मिला। मैं जानता हूं कि ईश्वर अपने लोगों को शक्ति प्रदान कर रहे हैं। संयोग से मुझे आपके प्रकाशन की एक प्रति पढ़ने को मिली। यहां मैं कहना चाहुंगा कि ईश्वर की कृपा से ही आपका प्रकाशन मेरे पास ऐसे समय पर आया जब मैं जीवन से संबंधित कुछ प्रश्नों के उत्तर खोजने में लगा हुआ था। मैं आपके चर्च से बहुत प्रभावित हूं। आप खरे व्यक्ति हैं, आप बाइबिल को बिलकुल सही रूप से समझाते हैं। कृपया अपने सदस्यों में मुझे भी शामिल कर लीजिए और अपनी डा<mark>क सुची में मेरा नाम डाल</mark> दीजिए। अपने विश्वास को मज़बूत बनाने के लिए मुझे आपके प्रकाशनों की ज़रूरत है। मैं फिलहाल एक जेल में हूं, इसलिए, कृपया सजिल्द किताबें मत भेजिएगा। मैं चंदा देने की स्थिति में नहीं हूं, लेकिन मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका चर्च खूब फूले-फले। आपका विश्वसनीय,

बी.एल.

कोर्कोरन, कैलिफोर्निया

भी जानते थे, और नशीली वस्तुओं का सेवन करके इस वास्तविकता से भागने की कोशिश कर रहे थे। धर्मों में पाखंड भरा हुआ था, और यह बात भी सबको पता थी। संसार भर के लोगों की आत्माएं उनके पापों के कारण मृत-तुल्य हो चुकी थीं। 10 दुनिया सूखी हड्डियों की एक विशाल घाटी की तरह दिख रही थी, ठीक उस तरह जैसे यहेजकेल ने देखा था। 11

मुझे यीशु के अस्तित्व के बारे में तब अचानक और अलौकिक रूप से एहसास हुआ जब मैं बेवरली हिल्स के एक कार्यालय में था। जब ईश्वर ने यह साबित करके दिखाया कि उनका और उनके पुत्र का अस्तित्व सच में है तो मैं एक ओर बहुत आतंकित हुआ, लेकिन साथ ही बहुत खुश भी हुआ। ईश्वर ने मुझसे बात की, और उनकी शक्तिशाली आवाज़ मेरे रोम-रोम में गूंज उठी। मुझे लगा मानो उनके शब्द मेरे अन्दर से निर्विघ्न गुजर रहे थे। उनकी उपस्थिति विस्मयकारी और भव्य थी। मुझे लगा कि ऊपर से कोई शक्ति मुझे ज़ोर से दबा रही थी, जैसे स्वयं ईश्वर का हाथ हो। फिर उनकी आवाज आई, "अपने पैरों पर खड़े होकर इस कमरे में मौजूद सभी लोगों को यीशु मसीह के बारे में बता और उनसे कह कि वह



पास्टर एम.सी., जिनका चर्च टोनी अलामो ईसाई चर्च का सहयोगी चर्च है, पास्टर अलामो के सूचनापत्र कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में वितरित करते हुए।

धरती पर फिर आ रहे हैं। अगर ऐसा नहीं करेगा तो तू निश्चित रूप से मर जाएगा।" जब कार्यालय में ईश्वर की उपस्थिति मौजूद थी और ये सारी बातें हो रही थीं, तब मुझे उनकी अद्भुत सर्वज्ञता के बारे में एहसास हुआ। 12 मुझे यह समझ में आया कि कण-कण पर उनका नियंत्रण है और वह हर जगह मौजूद हैं। उन्हें अतीत की हर बात मालूम है और यह भी पता है कि भविष्य में क्या घटित होगा। 13 मुझे झेंप महसूस हो रही थी क्योंकि मैं जानता था कि उन्हें हर उस बात के बारे में मालूम था जो मैं ने अपने जीवन में की थी। फिर उन्होंने मुझे दिखाया कि स्वर्ग और नरक दोनों का अस्तित्व निश्चित रूप से है। मैं जानता था कि अगर मैंने उनके कहे अनुसार नहीं किया तो मैं कहां जाऊंगा... स्वर्ग में तो बिल्कुल नहीं!

हालांकि यह अनुभव मेरे लिए भयावह था.14

12 1 शमूएल 2:3, गिनती 24:16, 1 कुरिन्थियों 1:25, 2:16, 3:19, भजन संहिता 32:8, अय्यूब 21:22, नीतिवचन 2:6, 3:20, 9:10, लूका 1:77, रोमियों 11:33, 2 कुरिन्थियों 4:6 13 भजन संहिता 44:21, 1 यूहना 3:20, 1 कुरिन्थियों 3:20, भजन संहिता 94:11, यशायाह 46:9-10, प्रकाशितवाक्य 21:6, 22:13 14 2 कुरिन्थियों 5:11, उत्पत्ति 35:5, यिर्मयाह 32:21, अय्यूब 31:23, लैव्यव्यवस्था 26:16, यहेजकेल 32:32



टोनी अलामो ईसाई चर्च का वेबसाइट www.alamoministries.com

लेकिन यह जानना आश्चर्यजनक था कि ईश्वर सचमुच हैं और ज़िंदा हैं और नबियों तथा यीशु के शिष्यों ने उनके बारे में जो

कुछ कहा है, सच है। वह उस दिन से बिल्कुल नहीं बदले हैं जब उन्होंने स्वर्ग, पृथ्वी और उन पर सभी चीज़ों का निर्माण किया। 15 मैंने तुरंत ही यह निर्णय ले लिया कि मैं हमेशा उनसे डरूंगा, उनका गुणगान करूंगा, उनका सम्मान करूंगा, उनसे प्रेम करूंगा और उनकी सेवा करूंगा। मैं जान गया कि अब मैं उनके लिए ज़िंदा रहूंगा, अत्याचार सहूंगा, और उनके लिए मर भी जाऊंगा। और मैं यह सब खुशी से करूंगा। 16

जब ईश्वर ने मुझे उस कार्यालय में अपनी जकड़न से मुक्त किया, तो मैंने उनसे सवाल किया, "मुझे क्या करना होगा? आप जो भी कहेंगे, मैं करूंगा।" मुझे कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए मैं सोचने लगा कि ईश्वर मुझसे क्या चाहते होंगे, और इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि वह चाहते हैं कि मैं चर्च जाऊं। सवाल यह था कि किस चर्च में। मैंने सोचा कि सबसे बड़ा चर्च सबसे अच्छा होगा। इसलिए मैं वहां गया, लेकिन ईश्वर मुझे वहां नहीं मिले। फिर मैं दूसरे चर्चों में गया, लेकिन वह वहां भी नहीं मिले। फिर मैनें किताबें पढ़ना शुरू किया जिन्हें देख कर लगता था कि उनमें ईश्वर की सच्चाई होगी क्योंकि उनके आवरणों पर बुद्धिमान और धार्मिक दिखने वाले लेखकों की तस्वीरें थीं, लंबी पोशाकें पहने हए लेखक जिनकी लंबी दाढ़ी

जाम्बिया

प्रिय पास्टर टोनी अलामो,

हमारे प्रभु यीशु के नाम में बहत-बहत शुभकामनाएं। मैं आपके लिए ईश्वर को धन्यवाद देता हूं और इसके लिए भी कि उन्होंने पूरी दुनिया में अपना संदेश फैलाने के लिए आपको चुना है ताकि लोगों की आत्माएं उद्धार पा सकें। पास्टर, पहले मैं गैरईसाई था लेकिन मेरे सहकर्मी ने मुझे बुरी चीजों से बचा लिया। सूचनापत्र में आपका उपदेश पढ़ने के बाद मुझे उद्धार मिला और मेरा जीवन बदल गया। अब मैं यह जान गया हूं कि ईश्वर चाहते हैं कि हम सबका उद्धार हो और हम सब उनके आदेशों का पालन करें। पास्टर अलामो, परमेश्वर के शब्दों को पढ़ने के लिए मुझे और मेरे दोस्तों को अंग्रेज़ी में एक या दो बाइबिल चाहिए। ईश्वर आपको शांति दे। मैं आपके चर्च के उन दयालु और विचारवान व्यक्तियों के लिए आपको बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं जो अनुरोधों का जवाब देते हैं।

धन्यवाद, जी.एन.

कित्वे, ज़ाम्बिया

थी। लेकिन मैं जानता था कि ये किताबें गलत थीं क्योंकि उनमें लिखा था कि ईश्वर से डरने की ज़रूरत नहीं है, ¹⁷ ईश्वर लोगों को धमकाते नहीं हैं, और ईश्वर पापियों की आत्माओं को नरक में डाल कर सज़ा नहीं देते हैं। ¹⁸ मैं इस तरह के ईश्वर के बारे में चिंतित नहीं था; मैं उस ईश्वर को ढूंढ रहा था जिन्होंने मुझे धमकाया था, ¹⁹ जिन्होंने मुझे स्वर्ग और नरक का दिव्य दर्शन दिया था, जिन्होंने मुझसे वह करवाया था जो कोई नहीं करवा सका, वह जो मैं कभी नहीं करना चाहता था, और वह था लोगों को यीशु मसीह के बारे में बताना।

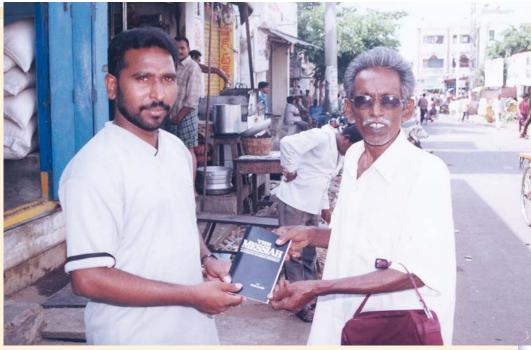
मैंने कभी नहीं सोचा था कि बाइबिल में सच्चाई पायी जा सकती थी क्योंकि चारों तरफ बाइबिलों की भरमार थी। चूंकि बाइबिल इतनी प्रचलित थी, मैं मानता था कि आम जनता उसे पढ़ती थी। मैं बाइबिल इसलिए नहीं पढ़ना चाहता था क्योंकि मैं आम जनता को बेवकूफ समझता था। पर अंतत: मैंने बाइबिल पढ़ना शुरू किया और उसमें उद्धार का रास्ता पाया। मुझे बाइबिल में अनंत जीवन पाने के लिए स्पष्ट निर्देश मिले जिनमें बताया गया था कि किस तरह हमें यीशु में निरंतर अपनी आस्था बढ़ाते रहना चाहिए और दूसरों को बाइबिल की सच्चाई के बारे में बताना

15 मलाकी 3:6, इब्रानियों 13:8, उत्पत्ति 1:1, प्रेरितों के काम 4:24 16 भजन संहिता 5:11, 35:19, यूहन्ना 16:33, रोमियों 12:8, 15:13, प्रेरितों के काम 2:28, 20:24, यशायाह 51:11, 61:10, 2 कुरिन्थियों 8:12 17 उत्पत्ति 22:12, भजन संहिता 112:1, नीतिवचन 13:13, 14:16, 28:14, 31:30, सभोपदेशक 7:18 नीतिवचन 8:36, यहेजकेल 18:2, 4, प्रकाशितवाक्य 19:20, 20:10, 14, 15, 21:8 19 उत्पत्ति 2:17, 6:7, 9, 13, निर्गमन 20:5, 34:7, 32:33, मत्ती 8:12, 22:13, प्रकाशितवाक्य 20:15, 2:5, 16, 22:23, 3:3, मरकुस 16:16, यहेजकेल 3:18, 18:20

भारत

हमारे प्रिय और धर्मपरायण भाई एवं नेता, पास्टर टोनी अलामो,

भारत स्थित टोनी अलामो ईसाई चर्च के भारतीय सदस्यों की ओर से अभिवादन। जब मुझे पवित्र बाइबिल और मसाया (मसीहा) सहित कुछ अन्य सामग्री मिली तो मेरी खुशी की सीमा नहीं रही। मैं और मेरे ईसाई बंधु उन लोगों को उद्धार पाने की सामग्री बांट रहे हैं जो अंग्रेज़ी जानते हैं। हम अंग्रेज़ी न जानने वाले लोगों और ग्रामीणों के लिए इस अनूठी सामग्री का अनुवाद अपनी मातृभाषा में करने की कोशिश कर रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग, बस एवं ऑटो ड्राइवर, हाई स्कूल, मेडिकल एवं इंजीनियरिंग के छात्र, कारखानों में काम करनेवाले श्रमिक एवं उनके मालिक, शिक्षक और वे सभी जिन्हें यह सामग्री मिली है, इससे लाभ उठा रहे हैं। इस सामग्री में उद्धार की सही योजना दी हुई है। हमारे शहर में कई लोगों ने इस सामग्री के जरिए यीशु मसीह को अपने उद्धारक के रूप में अपना लिया है। कृपया



भारत के श्री. टी.आर., राजामुंदरी में पास्टर अलामो की पुस्तक मसाया (मसीहा) की प्रतियां बांटते हुए। इस किताब ने अनेक लोगों के जीवन को बदला है और उनकी आत्माओं को उद्धार दिलाने में सहायता की है।

अपनी प्रार्थनाओं में हमारे चर्च को याद रखें। आपका विश्वसनीय, पास्टर एन.टी. रामपाचोदवरम, पूर्वी गोदावरी,

आन्ध्र प्रदेश, भारत

मसीहा

(पृष्ठ 1 से ज़ारी)

"निश्चय उसने हमारी पीड़ाओं को स्वयं सह लिया और हमारे दुखों को अपने ऊपर उठा लिया" (यशायाह 53:4)। "हमारे पापों के लिए वह पीड़ित हुआ। हमारे अपराधों के लिए उसने यातनाएं सहीं। उसने दंड भुगता ताकि हमें ईश्वर के साथ शांति मिल सके; उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए" (यशायाह 53:5)। "ईश्वर ने उस पर हम सभी लोगों के पाप डाल दिए थे" (यशायाह 53:6)। "ईश्वर के अपने लोगों के पापों के लिए उसे कुचला गया" (यशायाह 53:8)। "वह अपने आपको दोषबलि करके चढ़ाएगा" (यशायाह 53:10)। "वह उनके अपराधों का बोझ स्वयं उठा लेगा" (यशायाह 53:12)। "उसने बहुतों के पाप का बोझ स्वयं उठा लिया" (यशायाह 53:12)।

इस अध्याय (यशायाह 53) का महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मसीहा ने स्वयं वह दंड उठा लिया जो दूसरों को उनके अपने पापों के कारण मिलना चाहिए था। इस अद्भुत अध्याय में केवल बारह आयतें हैं, लेकिन उनमें सभी मानव पापों के लिए मसीहा के खुद को बलिदान देने की भविष्यवाणी चौदह बार दोहराई गई है। यशायाह 52:13-15 में भी इस भविष्यवाणी के बारे में बात की गई है। और यह भविष्यवाणी तभी पूरी तरह से समझी गई जब प्रभु यीशु ने "हमारे पापों को अपने ऊपर ले लिया" (2 कुरिन्थियों 5:21) और "उसने हमारे पापों के लिए अपनी जान दे दी" (1 कुरिन्थियों 15:3)।

ईश्वर ने "उस पर हम सभी लोगों के पाप डाल दिए थे" (यशायाह 53:6)। मसीहा ईश्वर द्वारा भेजे गए उद्धारकर्ता थे जिन्होंने समस्त मानवजाति के पापों का दंड झेला। ईश्वर का प्रेम और उनकी दया इतनी महान है कि उन्होंने क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा मनुष्यों की आत्माओं के उद्धार का ज़रिया प्रदान किया! क्रूस पर चढ़ना यीशु के लिए कल्पना के परे अपमानजनक अनुभव था, लेकिन यह उनकी महिमा का चरम बिंदु भी था क्योंकि इसी ने मनुष्यों की आत्माओं के उद्धार का मार्ग प्रदान करवाया।

प्रभु यीशु जब धरती पर आए तो उन्होंने

क्रूस पर चढ़ कर मसीहा के बारे में इन भविष्यवाणियों को पूरा किया: "उसने स्वयं अपनी ही देह में क्रूस पर हमारे पापों को उठा लिया" (1 पतरस 2:24)।

(10) मसीहा अपनी इच्छा से पीड़ा झेलेंगे और शिकायत नहीं करेंगे (यशायाह 53:7)।

"उसे सताया गया और पीड़ित किया गया, लेकिन उसने अपना मुंह नहीं खोला। जिस तरह वध के लिए मेमने को ले जाया जाता है, उसी तरह उसे भी ले जाया गया। जिस तरह भेड़ अपना ऊन उतारे जाने पर चुप रहती है, उसी तरह वह भी चुप रहा। अपने को बचाने के लिए उसने अपना मुंह नहीं खोला" (यशायाह 53:7)।

दूसरे पीड़ित लोग आम तौर पर भुनभुनाते हैं या शिकायत करते हैं, ख़ास तौर पर उस समय जब उनके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया जा रहा हो। लेकिन पीड़ित मसीहा ने ऐसा नहीं किया। उन्हें हमारे पापों को अपने ऊपर लेने का काम सौंपा गया था। उन्होंने स्वेच्छा से उस काम को किया और मेमने की तरह क्रूस पर चढ़ गए। महान और हृदयस्पर्शी चुप्पी के साथ मसीहा सब कुछ सह गए क्योंकि ईश्वर की यही इच्छा थी। और यहां हम मानवजाति के लिए ईश्वर के अनंत प्रेम का प्रमाण पाते हैं।

बाइबिल के नए नियम में, जब यीशु को पीटा गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए, उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया, उनका मखौल उड़ाया



सुलेजा, नाइजीरिया के पास्टर माइक आमोअसेगुन तथा उनके चर्च के कुछ सदस्य टोनी अलामो ईसाई चर्च, यूएस, से सूचनापत्रों तथा अंग्रेज़ी बाइबिल (किंग जेम्स संस्करण) की प्रतियों का एक पैकेट प्राप्त करते हुए। पास्टर अलामो के सूचनापत्रों के ज़रिए अनेक लोगों ने यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में अपनाया है।

गया, उन पर थूका गया, उन्हें उत्पीड़ित किया गया, उन्हें पीटा गया, उन पर कोड़े बरसाए गए, और अंततः क्रूस पर चढ़ाया गया, तब भी उन्होंने कोई विरोध नहीं किया। जो लोग उन्हें क्रूस पर चढ़ाने के लिए ले गए, यीशु मसीह उन पर क्रोधित नहीं हुए, बल्कि केवल उनके लिए प्रार्थना करी।

उनके खिलाफ़ कई झूठे गवाहों ने गवाही दी। उसके बाद यहूदियों के महायाजक ने कहा, "क्या तू उत्तर नहीं देता? ...परंतु यीशु चुप रहा" (मत्ती 26:59-63)।

यीशु ने क्रूस पर चढ़ाए जाने की यातना सहते हुए यह प्रार्थना की: "हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं" (लूका 23:34)।

यह भविष्यवाणी और इसका पूरा होना इतना विचित्र था, और सामान्य मानवीय प्रतिक्रिया के इतने विपरीत कि जो भी व्यक्ति इसके बारे में जानेगा वह निश्चित रूप से आश्चर्यचिकत होगा।

(11) मुकदमे के दौरान मसीहा की पैरवी करने के लिए कोई वकील नहीं था, उन्हें निर्दोष बताने के लिए कोई दोस्त नहीं था (यशायाह 53:8)।

उन्हें जेल के बाद अदालत ले जाया गया और

फिर वहां से वे उन्हें क्रूस पर चढ़ाने के लिए ले गए, और कोई भी उनके पक्ष में बोलने के लिए सामने नहीं आया (यशायाह 53:8)।

उन दिनों इस्राएल में एक प्रथा थी: जिसके खिलाफ़ मृत्युदंड का मुकदमा चलता था, वह लोगों से अपनी निर्दोषता की गवाही दिलवा सकता था। लेकिन यीशु के मुकदमे में इस प्रथा का पालन नहीं किया गया। इसके विपरीत, यहूदियों के महायाजक ने यीशु पर जल्दबाजी में

अन्यायपूर्ण मुकदमा चलाया। इस मुकदमे में जरा भी न्याय और निष्पक्षता नहीं दिखाई गई।

जा सकता है।

आपकी.

टी.ओ.

प्रिय पास्टर अलामो.

अपनी किताब मसाया (मसीहा) और दस सूचनापत्र भेजने के लिए आपको धन्यवाद। इन सामग्रियों से मेरे जीवन में आध्यात्मिक जागरूकता आई है और ईश्वर के काम के लिए नया उत्साह जगा है। मैंने कुछ सूचनापत्र अपने ऐसे ईसाई मित्रों को दिए जिनकी आस्था ठंडी पड़ चुकी थी। और जब मैं बाद में उनसे मिली तो वे बहुत खुश और उत्साह से भरे हुए दिखे। यह आपके सूचनापत्र पढ़ने का परिणाम था। सूचनापत्रों में इन लोगों की बहुत दिलचस्पी है, इसलिए नवधर्मांतरितों के लिए कृपया मुझे सूचनापत्रों की 150 प्रतियां और कुछ बाइबिल की प्रतियां भेज दीजिए। उन्हें इनकी बहुत जरूरत है। यह सामग्री भेजने के लिए मैं आपकी आभारी होऊंगी। ईश्वर का सारगर्भित संदेश निष्ठापूर्वक पहुंचाने के लिए आपको धन्यवाद। ईश्वर आपको सदा आशीष दे। आस्था से पहाड़ को भी हिलाया

यीशु को यहूदियों के महायाजक और उसकी परिषद तथा उसके बाद रोमन साम्राज्य के न्यायाधिकारियों के सामने बिना बचाव के अकेले हाज़िर होना पड़ा। यीशु के पक्ष में बोलने के लिए कोई भी व्यक्ति सामने नहीं आया। यहूदा इस्करियोति ने उनके साथ विश्वासघात किया,

- (पृष्ठ 6 पर ज़ारी)

कुमासी, घाना

मेक्सिको

प्रिय पास्टर अलामो,

आपके प्रकाशन यहां भी पहुंच गए हैं जहां मैं हूं। मुझे आपके सूचनापत्र में आपका उपदेश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लोगों के पत्र पढ़ कर अच्छा लगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ईश्वर आपका इस्तेमाल बखूबी कर रहे हैं ताकि उनके उद्धार का संदेश हर मानव तक पहुंच सके। मैं गांजे की तस्करी के लिए साढ़े सात साल से जेल में बंद हूं। जेल में मेरा जीवन बहुत ही दयनीय था, पर दो साल पहले मैंने यीशु मसीह को अपना लिया और उन्होंने मेरी आत्मा का उद्धार किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस साल जेल से रिहा हो जाऊंगा। मैं जानना चाहूंगा कि क्या आप मुझे अपनी किताब मसाया (मसीहा) और अन्य सामग्री भेज सकेंगे ताकि मैं अपने लड़कों को भी यीशु मसीह के बारे में सिखा सकूं।

एम.ए.

मोनक्लोवा, कोआहुइला, मेक्सिको

चौबीस घंटे प्रार्थना एवं सूचना फोन नंबर: (479) 782-7370

मसीहा

(पृष्ठ 5 से ज़ारी)

पतरस ने उन्हें जानने से इनकार कर दिया और उनके दूसरे शिष्य भी उन्हें छोड़कर भाग खड़े हुए (मत्ती 26:56)। और वहां बहुत सी स्त्रियां भी थीं जो यीशु की अनुयायी थीं, पर जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाया जा रहा था तो वे "दूर खड़ी होकर देख रही थीं" (मत्ती 27:55)। संकट की घड़ी में यीशु के साथ एक भी व्यक्ति खड़ा नहीं हुआ। घंटों बाद, जब यातना से उनका शरीर सुन्न पड़ गया था तो उनकी मां मरियम, कुछ आस्थावान स्त्रियां और उनके प्रिय शिष्य यूहन्ना क्रूस के पास "इकट्ठा हुए"; लेकिन मुकदमे और क्रूस पर चढ़ाए जाने के दौरान यीशु को बिल्कुल अकेला छोड़ दिया। दुनिया के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि संकट की घड़ी में यीशु की तरह किसी के दोस्तों और संबंधियों ने उसे बिल्कुल अकेला छोड़ दिया हो।

यीशु को उचित कानूनी कार्यवाही के द्वारा नहीं, बल्कि भीड़ के द्वारा गिरफ़्तार किया गया: "तलवारों और डंडों से लैस भारी भीड़ ने, जिसे यहदियों के महायाजक और उसकी परिषद ने यीश् को पकड़ने के लिए भेजा था" (मत्ती 26:47)। यीशु ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी की: "क्या तुम तलवार और लाठियां लिए मुझे पकड़ने आए हो मानो मैं कोई डाकू हूं? मैं प्रतिदिन ईश्वर के घर में बैठकर उपदेश दिया करता था और तुमने मुझे नहीं पकड़ा। परंतु यह सब इसलिए हुआ कि नबियों के लेख पूरे हों" (मत्ती 26:55-56)।

यीश् को "मृत्युदंड दिलाने के लिए" (मत्ती 26:59) कई झठे गवाहों ने उनके खिलाफ गवाही

तंजानिया

प्रिय पास्टर अलामो.

मेरे प्रिय और ईश्वर के भेजे हुए पास्टर, परमपिता और हमारे प्रभु यीशु की कृपा, दया और शांति आप और आपके चर्च पर हमेशा बनी रहे। मैं ईश्वर का धन्यवाद करता हूं कि मैं उसकी सेवा में 1994 से हूं। मैं मुसोमा, तंज़ानिया में सुसमाचार प्रचारक हूं। मैं पूरे देश में, यहां तक कि बाहर भी, ईश्वर के वचन को फैलाने की दिशा में काम करता रहा हं। पास्टर, मैंने आपकी आवाज़ नहीं सुनी है, <mark>उपदेश नहीं सुना है और न ही आपका चेहरा</mark> देखा है। लेकिन आपका साहित्य मुझे निरंतर मिलता रहता है जिसे मैं बहुत ध्यान से पढ़ता हूं। मैंने आपके अद्भुत उपदेश सूखी हड्डियां और *ईश्वर का फ़ार्म* सूचनापत्रों में पढ़े और आपकी किताब *मसाया (मसीहा)* भी पढ़ी है। आप सचमुच महान अंतर्राष्ट्रीय लेखक हैं। आपके साहित्य को पढ़ कर मैं दुनिया के सच्चे ईसाइयों के लिए आपकी चिंता के बारे में जान सका हूं।

मैंने, मेरे सहकर्मियों और आपके साहित्य के जरिए यीश् को अपनाने वाले नवधर्मांतरितों ने मिल कर एक चर्च का गठन किया है जिसका नाम है बिलीवर कम्युनिटी चर्च (विश्वासियों का सामुदायिक चर्च)। हम पूर्वी अफ्रीका, खासकर तंज़ानिया में आपके चर्च का विस्तार करना चाहते हैं। इस चर्च के द्वारा हम दूरदराज के गांवों में भी परमेश्वर का वचन ले जाना चाहते हैं। पास्टर, हमें आपकी मदद की जरूरत है। तंज़ानिया में परमेश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए कृपया बाइबिल की प्रतियां और मसीही साहित्य भेज दीजिए। यदि संभव हो तो कृपया लाउडस्पीकर और जेनरेटर हासिल करने में भी हमारी मदद कीजिए। आपके चर्च पर ईश्वर की कृपा हमेशा बनी रहे और वह अच्छे काम के लिए आपके आध्यात्मिक जीवन को बनाए रखे। आपके सकारात्मक जवाब के इंतजार में,

आपका.

ओ.ई.एम.

तंजानिया, पूर्वी अफ्रीका

दी। साथ थी, उनका मुकदमा रात में चलाया गया जो गैरकानुनी था।

रोम की अदालत में पिलातुस ने लोगों से पूछा, "यीशु ने क्या गुनाह किया है कि उसे मृत्युदंड दिया जाए?" भीड़ कोई वाजिब जवाब देने के बजाए अपने नेताओं के उकसावे पर केवल चिल्लाती रही, "उसे क्रूस पर चढ़ाओ। ...उसे क्रूस पर चढ़ाओ" (मत्ती 27:22-23)। फिर, जब पिलातुस ने देखा कि उसकी बातों का भीड़ पर कोई असर नहीं हो रहा था और लोग दंगे पर उतारू थे तो उसने चुपचाप इस मामले से अपना

हाथ खींच लिया; और यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए भीड़ को सौंप दिया (मत्ती 27:22-26)। इतिहास में ऐसा अन्याय कभी नहीं देखा गया है।

पिलातुस के ये शब्द, "मैं उसमें कोई दोष नहीं पाता" (यूहन्ना 19:6), यीशु की निर्दोषता में उसके यकीन का प्रमाण हैं। इसी तरह, नबी यशायाह ने भी यीशु की निर्दोषता की भविष्यवाणी की थी "उसने कोई उपद्रव नहीं किया, न ही उसके मुंह से कभी झूठ निकला" (यशायाह 53:9)।

अगले सुचनापत्र में ज़ारी

प्रिय एवं दयालु पास्टर,

मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि आपने सूचनापत्र भेजे। मेरे पास पिछले हफ्ते आपके सूचनापत्रों की एक पेटी प्राप्त हुई। प्रभु के प्रिय सेवक, पास्टर अलामो, लोगों को ये सूचनापत्र पढ़ कर बहुत शांति मिली है। गांव में मेरे कुछ दोस्त हैं, जिन्हें मैं प्रार्थना सभाओं में बुलाता हूं और ये सूचनापत्र पढ़ने के लिए देता हूं। वे सूचनापत्रों के नए अंक पढ़ने के लिए हमेशा बहुत इच्छुक रहते हैं। जब वे सूचनापत्रों में दुनिया के अन्य हिस्सों के लोगों के पत्र पढ़ते हैं तो उनका विश्वास और भी

घाना

मज़बूत हो जाता है। आपके प्रकाशन पा कर हम बहुत खुश हैं और आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया हमारे नाम डाक सूची में डाल दिए जाएं ताकि हमें यह सामग्री मिलती रहे। हमें कृपया कुछ बाइबिल की प्रतियां भी भेज दीजिए। हम आपके लिए, आपके प्रिय पुत्र सायन के लिए और आपके चर्च में आपके साथ काम करने वाले सभी लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं। ईश्वर आपको आशीष दे। कृपया हमारे लिए भी प्रार्थना करें। परमेश्वर अपने लोगों की प्रार्थना का जवाब देते हैं। प्रार्थना के बिना, हम परमेश्वर की मदद से वंचित हो जाते हैं। ईश्वर के काम के लिए दूरदराज के गांवों और पहाड़ों में जाने वाले हमारे छात्र स्वयंसेवकों में कृपया साहस, आस्था और प्रेम के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें। प्रभु आपका मार्गदर्शन करे। वह आप पर कृपादृष्टि करे। हम आपकी दीर्घाय, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं। यीश् के प्रेम के साथ,

आपका, ए.एस.

अक्कारा, घाना

सूखी हड्डियां

(पृष्ठ 3 से ज़ारी)

चाहिए ताकि उनकी आत्माएं भी यीशु के माध्यम से उद्धार पा सकें।²⁰

जब मैंने पहली बार बाइबिल पढ़नी शुरू की तो मुझे ईश्वर की उसी शक्ति का एहसास हुआ जिसे मैंने बेवरली हिल्स कार्यालय में महसूस किया था। फिर मुझे ईश्वर ने स्वर्ग और नरक का दिव्य दर्शन दिखाया।21 मैंने चिल्ला कर ईश्वर से कहा, "प्रभृ मुझे नरक में मत भेजिए!" लेकिन जब मैंने स्वर्ग देखा तो मैंने स्वर्ग की शांति महसूस की।22 मैंने अपनेआप को स्वर्ग में देखा. अंधा, नंगा और छोटा। मैंने ईश्वर से कहा कि यदि मुझे यह स्वर्गीय शांति हमेशा के लिए मिल सकती है तो मैं ऐसे ही अंधा, नंगा और छोटा बना रहना चाहंगा। एक बार फिर मैंने नरक देखा और ईश्वर से दया और क्षमा की भीख मांगी। फिर, परमपिता, परमपुत्र और पवित्र आत्मा ने मेरे नश्वर शरीर के अन्दर प्रवेश किया और मेरी आत्मा में मिल कर एक हो गए।²³ यीशु में अपने विश्वास और मेरे लिए दिए गए उनके खून के द्वारा, तथा ईश्वर के उन शब्दों के द्वारा जिन्हें मैंने सुना और पालन किया

20 यूहन्ना 4:35-36, 15:5, 8, 15-16, प्रकाशितवाक्य 14:18 21 प्रेरितों के काम 7:55-56, लूका 16:22-31, प्रकाशितवाक्य 4:1-11, 15:1-4, 21:2-5, 10-27, 22:1-5, यशायाह 5:14, 14:9, प्रकाशितवाक्य 14:10-11, 20:10 22 रोमियों 5:1, इफिसियों 2:14, फिलिप्पियों 4:7, कुलुस्सियों 3:15, 1 थिस्सलुनीकियों 5:23, 2 थिस्सलुनीकियों 3:16 23 2 कुरिन्थियों 6:16, 1 प्तरस 2:5, लैब्यव्यवस्था 26:11-12, यूहन्ना 14:16, 1 यूहन्ना 3:24

नाइजीरिया

प्रिय पास्टर.

प्रभु यीशु के नाम में अभिवादन। आमीन। आपके भेजे पिछले सूचनापत्रों को वितरित कर दिया गया है। मैं यह देख कर आश्चर्यचिकत हूं कि उनसे लोगों के जीवन में कितना परिवर्तन आ रहा है। लोग पूरे हृदय से प्रभु की सेवा करने का वादा कर रहे हैं। कुछ लोग आपको पत्र लिखने का भी वादा कर रहे हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप *मसाया (मसीहा)* पुस्तक की 25 प्रतियां, विभिन्न सूचनापत्रों की 150 प्रतियां, कुछ बाइबिल की प्रतियां और अन्य प्रकाशन भेज दें ताकि मैं उन्हें उन मित्रों, पारिवारिक सदस्यों और दूसरे लोगों को बांट सकूं जो प्रभ् यीशु के बारे में और अधिक जानना चाहते हैं। मैं यहां नाइजीरिया में आपका सहयोगी बनना चाहता हूं और जानना चाहता हूं कि इसके लिए मुझे क्या करना होगा। मैंने देखा है कि आपके जीवन और आपके चर्च पर प्रभू का हाथ है। मैं भी अपने ऊपर प्रभु का हाथ चाहता हूं। मुझे आपके उत्तर की प्रतीक्षा है।

आपका,

आर.एम.

पोर्ट हारकोर्ट, नाइजीरिया

था,²⁴ मैं ने महसूस किया कि मेरे सभी पाप मेरी आत्मा से हट गए थे।²⁵ मैं ने अपनी आत्मा को साफ़ और शुद्ध महसूस किया।²⁶ मेरे लिए यह बहुत ही अद्भुत बात थी। यह अद्भुत बात "इस्नाएल के प्रभु" यीशु ने मेरे लिए की थी।²⁷ पाप से मुक्त होकर और मुझे पाप पर विजय दिलाने वाली ईश्वर की शक्ति को पाकर मैं बहुत खुश था। मैं इतना खुश था कि मैं सारी दुनिया को इसके बारे में बताना चाहता था ताकि अन्य लोग भी यीशु के बारे में जान सकें और अनंत जीवन पा सकें।

अब 1964 से मैं निरंतर प्रभु की सेवा कर रहा

हूं। जब भी मैं बाइबिल पढ़ता हूं तो मुझे लगता है कि ईश्वर का वचन मेरी आत्मा को दृढ़ कर रहा है। यह बिल्कुल यहेजकेल द्वारा देखे गए दिव्य दर्शन की तरह है जिसमें ईश्वर ने सूखी हिड्डियों में नई मज्जा भर के, और उन पर मांसपेशियां और चमड़ी चढ़ा कर उन्हें दृढ़ किया था। ईश्वर का हर शब्द यीशु में मेरे विश्वास को बढ़ाता है और मेरी आत्मा को सशक्त करता है। इससे मुझे अत्याचार के उन अग्निबाणों पर विजयी होने की ताकत मिलती है जो शैतान ने उन सब वर्षों में मुझ पर चलाए हैं जब से मैं ईसाई बन गया हूं। मैं हर दिन इस बात

24 हबक्कूक 2:4, मत्ती 17:20, लूका 7:50, प्रेरितों के काम 20:21, 26:18, रोमियों 1:17, 3:28, 5:2, 10:17, 11:20, गलातियों 2:16, 3:11, इफिसियों 2:8, 3:17, इब्रानियों 10:38 25 मरकुस 14:24, यूहचा 6:53, प्रेरितों के काम 20:28, रोमियों 3:25, 5:9, इफिसियों 1:7, 2:13, कुलुस्सियों 1:14, 20, इब्रानियों 9:12, 14, 22, 1 पतरस 1:18-19, प्रकाशितवाक्य 1:5, 5:9 26 1 यूहचा 1:7, इब्रानियों 10:19-22, प्रकाशितवाक्य 1:5, 7:14 27 भजन संहिता 89:18, प्रेरितों के काम 3:13-14

हमारे चर्च के फ़ोन नंबर पर आए एक कॉल का सारांश (प्रार्थना एवं सूचना के लिए हमारे चर्च से चौबीसों घंटे, सातों दिन फोन द्वारा संपर्क किया जा सकता है।):

फुलर धर्मविज्ञान कालेज कैलिफोर्निया राज्य के पैसाडीना शहर में स्थित है। इस कालेज के मैकालिस्टर पुस्तकालय में काम कर रहे श्री डी.आर. ने फोन पर कहा कि उन्हें दो सूचनापत्र ज़मीन पर पड़े मिले जिन्हें उन्होंने उठा कर पढ़ा। उन्होंने अनुरोध किया कि उनका नाम चर्च की डाक सूची में शामिल कर लिया जाए क्योंकि उन्हें सूचनापत्र बहुत पसन्द आए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि उनके पास हर सूचनापत्र और पास्टर अलामो द्वारा लिखित अन्य प्रकाशन नियमित

रूप से भेजा जाए। उन्होंने कहा कि वे सभी उपलब्ध साहित्य की एक-एक प्रति चाहते हैं। वे मैकालिस्टर पुस्तकालय के लिए पास्टर अलामों के सारे साहित्य का संग्रह करना चाहते हैं ताकि शोधकर्ता इस पुस्तकालय में आकर बाइबिल और पास्टर अलामों के बारे में और अधिक जान सकें। वे संग्रह को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वे एक अलमारी में केवल पास्टर अलामों का साहित्य रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पास्टर अलामों की हर बात में सच्चाई और ईमानदारी झलकती है।

🔐 जाम्बिया

प्रिय पास्टर टोनी अलामो,

आपको यह पत्र लिखते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आप कैसे हैं पास्टर? मुझे उम्मीद है कि परमेश्वर की कृपा से आप ठीक हैं। मैंने आपका सूचनापत्र पढ़ा जिसमें *लीडर्स* एंड फेबल्स (सच्चे और झुठे नेता) शीर्षक का उपदेश था। प्रभु की कृपा से यह सूचनापत्र मुझे पढ़ने को मिला। इसे पढ़ने के बाद मैंने अपने को धन्य महसूस किया और मुझे आपको लिखने की इच्छा हुई। मैं आपको धन्यवाद देती हूं कि आप परमेश्वर द्वारा उद्धार का संदेश भटके हुए आस्थाहीन लोगों तक पहुंचा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि वे प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में अपनाएंगे ताकि उनके जीवन में सुधार आए। आपके साहित्य के कारण कई लोगों ने प्रभु यीशु को अपना लिया है और उन्हें शैतान की पकड़ से मुक्ति मिल गई है। प्रभ् आर्थिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से आपको सशक्त बनाए। पास्टर, मैं युवा महिला हूं। मेरी शादी पांच साल पहले हुई थी। दो साल पहले मैंने अपना जीवन प्रभ की

सेवा में अर्पित कर दिया और प्रभु ने मुझ पर दया बरसाई है। मेरी इच्छा है कि मैं अन्य लोगों तक इस सच्चाई को पहुंचाऊं कि केवल यीश् मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त किया जा सकता है। अफ्रीका में पारंपरिक मान्यताओं के कारण हम महिलाओं को सदियों से जंज़ीरों में बांध कर रखा गया है। लेकिन जब मैंने यीशु मसीह को अपनाया मुझे इन जंज़ीरों से मुक्ति मिल गई, और इसलिए मेरी इच्छा सचमुच अपने को प्रभू की सेवा में लगा देने की है। पास्टर, मेरा अन्रोध है कि आप कृपया मुझे कुछ बाइबिल की प्रतियां, मसीहा के बारे में आपकी किताब, आपके सूचनापत्र, टेप पर आपके उपदेश और अन्य सामग्रियां भेज दें। मैं बाइबिल अध्ययनों के लिए इनका इस्तेमाल कर सकुंगी और भटके हुए लोगों की मदद भी कर सकूंगी। और अंत में, यदि आप कृपया मसीही संगीत के कुछ केसैट भेज सकें तो बहत कृपा होगी।

आपकी,

एल.एम.

आइसोका. ज़ाम्बिया

सूखी हड्डियां

(पृष्ठ ७ से ज़ारी)

को बेहतर तरीके से समझता हूं कि यीशु मसीह की शक्ति से "हम विजेता से भी बढ़कर हैं"²⁸; और यह भी कि हम लोग "प्रभु यीशु में परिपूर्ण हैं।"²⁹ इसके साथ मैं यह भी जानता हूं कि यीशु के हर शब्द का पालन करना कितना महत्वपूर्ण है। यीशु ने स्वर्गारोहण से कुछ क्षण पहले कहा था, "तुम पूरे संसार में जाओ और सभी लोगों को मेरा संदेश दो।"³⁰ (हर उस व्यक्ति को उपदेश दो जिसकी आत्मा सूखी हिड्डियों की तरह मृत-तुल्य अवस्था में चली गई है, ताकि वह "प्रभु के शब्द सुन सके।"³¹) "जो विश्वास करे (यीशु में) और बपतिस्मा ले वह उद्धार पाएगा, परंतु जो विश्वास न करे वह दोषी ठहराया जाएगा (नरक में जाएगा)।"³²

यदि आप मेरी तरह हैं और नरक जाने के बजाए उद्धार पाना चाहते हैं, तो ईश्वर से यह प्रार्थना कीजिए:

मेरे प्रभु और मेरे ईश्वर, मुझ पापी पर दया कीजिए। 33 मुझे विश्वास है कि यीशु ईश्वर के पुत्र हैं। 34 मुझे विश्वास है कि वे क्रूस पर मरे और उन्होंने पहले के मेरे सभी पापों को क्षमा करने के लिए अपना अमूल्य रक्त बहाया। 35 मुझे विश्वास है कि

ईश्वर ने पवित्र आत्मा की शक्ति से यीशु को मुर्दों में से ज़िंदा कर दिया, 36 और वे इस क्षण ईश्वर का दायां हाथ बन कर मेरी पापस्वीकारोक्ति एवं इस प्रार्थना को सुन रहे हैं। 37 प्रभु यीश्, मैं अपने हृदय का दरवाजा खोल रहा हूं और उसमें प्रवेश करने के लिए आपको आमंत्रित कर रहा हूं। 38 मेरे सभी पापों को उस अमूल्य रक्त से धो दीजिए जिसे आपने कलवरी में क्रूस पर मेरी जगह बहाया था।39 प्रभ् यीश्, मैं जानता हूं कि आप मुझे नहीं ठुकराएंगे; मैं जानता हूं कि आप मेरे पापों को क्षमा करके मेरी आत्मा का उद्धार करेंगे। मैं जानता हूं क्योंकि बाइबिल में, जिसमें आपके शब्द हैं, ऐसा ही कहा गया है।40 बाइबिल में आपने कहा है कि आप किसी को नहीं ठुकराएंगे, मुझे भी नहीं।41 इसलिए, मैं जानता हूं कि आपने मेरी प्रार्थना सुन ली है, और मैं जानता हूं कि आपने उसका जवाब भी दे दिया है, और मैं यह भी जानता हूं कि आपने मेरा उद्धार किया है। 42 प्रभु यीश, मेरी आत्मा का उद्धार करने के लिए धन्यवाद, और मैं आपके आदेशानुसार जीवन बिता कर अपनी कृतज्ञता ज़ाहिर करूंगा और अब कभी पाप नहीं करूंगा।43

आपने उद्धार के लिए जरूरी पांच कदमों में से पहला कदम अभी-अभी पूरा किया है। दूसरा कदम है अपने पहले के स्वार्थी, पापी और वासनापूर्ण जीवन का परित्याग करना और अपने जीवन को ईश्वर की इच्छा के अनुसार जीना। जिस तरह यीशु मसीह ने हमारे लिए अपने जीवन की कुर्बानी दी, उसी तरह वह चाहते हैं कि हम भी उनके लिए अपने पहले के पापी जीवन की कुर्बानी दें।

तीसरा कदम है पापी जीवन से मुक्ति पाकर यीशु की तरह पाप रहित जीवन बिताना। चौथा कदम है हमारे स्वार्थों और पाप-युक्त इच्छाओं को जीतने के लिए ईश्वर की शक्ति प्राप्त करना। और पांचवां कदम है ईश्वर से प्राप्त इस शक्ति का उपयोग करना और दूसरे लोगों को भी इसके बारे में बताना ताकि वे भी उद्धार पा सकें और पापों पर जीत सकें। आपको बाइबिल का अध्ययन करना होगा और ईश्वर के आदेशानुसार चलना होगा, ताकि दुनिया आप में ईश्वर के प्रति आज्ञापालन और उनकी सत्ता में आपके विश्वास का सबूत देख सके।

प्रभु की प्रशंसा हो। ईश्वर का भरपूर आशीर्वाद आपको मिले। यीशु के पवित्र नाम में, पास्टर टोनी अलामो

टोनी अलामो संयुक्त राज्य अमरीका के संभवत: सबसे महान देशभक्त हैं।

28 रोमियों 8:37, 1 यूहचा 4:3-4 29 कुलुस्सियों 2:10 30 मरकुस 16:15, लूका 14:23 31 यहेजकेल 37:4, 2 राजाओं 20:16, यशायाह 1:10, यिर्मयाह 2:4 32 मरकुस 16:16, 2 थिस्सलुनीिकयों 2:12 33 भजन संहिता 51:5, रोमियों 3:10-12, 23 34 मत्ती 26:63-64, 27:54, लूका 1:30-33, यूहचा 9:35-37, रोमियों 1:3-4 35 प्रेरितों के काम 4:12, 20:28, रोमियों 3:25, 1 यूहचा 1:7, प्रकाशितवाक्य 5:9 36 भजन संहिता 16:9-10, मत्ती 28:5-7, मरकुस 16:9, 12, 14, यूहचा 2:19, 21, 10:17-18, 11:25, प्रेरितों के काम 2:24, 3:15, रोमियों 8:11, 1 कुरिन्थियों 15:3-7 37 लूका 22:69, प्रेरितों के काम 2:25-36, इब्रानियों 10:12-13 38 1 कुरिन्थियों 3:16, प्रकाशितवाक्य 3:20 39 इिफिसियों 2:13-22, इब्रानियों 9:22, 13:12, 20-21, 1 यूहचा 1:7, प्रकाशितवाक्य 1:5, 7:14 40 मत्ती 26:28, प्रेरितों के काम 2:21, 4:12, इिफिसियों 1:7, कुलुस्सियों 1:14 41 मत्ती 21:22, यूहचा 6:35, 37-40, रोमियों 10:13 42 इब्रानियों 11:6 43 यूहचा 5:14, 8:11, रोमियों 6:4, 1 कुरिन्थियों 15:10, प्रकाशितवाक्य 7:14, 22:14

पास्टर अलामो के लेखों की प्रतियां और हमारे विश्वव्यापी रेडियो प्रसारणों की समय-सूची प्राप्त करने के लिए कृपया हमसे संपर्क करें:

Tony Alamo, World Pastor, Tony Alamo Christian Ministries Worldwide • P.O. Box 6467 • Texarkana, Texas 75505 USA चौबीस घंटे प्रार्थना एवं सूचना फोन नंबर: (479) 782-7370 फैक्स (479) 782-7406

www.alamoministries.com • info@alamoministries.com

टोनी अलामो ईसाई चर्च उन लोगों के लिए रहने की जगह और सभी सुविधाएं मुहैया कराता है जो सचमुच ईश्वर की सेवा अपने हृदय, आत्मा, मन और सामर्थ्य से करना चाहते हैं।

निम्नलिखित स्थानों पर हर शाम 8 बजे और हर रिववार शाम 3 बजे और 8 बजे चर्च की आराधना विधि होती है:

न्यू यॉर्क सिटी में: Vincci Hoteles, 16 E. 32™ St., 2™ floor, between 5™ Ave. and Madison Ave.

(विंची होटल, 16 ईस्ट. 32वीं स्ट्रीट, दूसरी मंज़िल, 5वें एवेन्यू और मेडिसन एवेन्यू के बीच)

अरकंसा के चर्च: 4401 Windsor Dr., Fort Smith, AR 72904 (4401 विंडसर ड्राइव, फोर्ट स्मिथ, अरकंसा)

और 1005 Highway 71 South, Fouke, AR 71837 (1005 हाईवे 71 साउथ, फाउक, अरकंसा)

लॉस एंजिलिस क्षेत्र चर्च: 13136 Sierra Hwy., Canyon Country, CA 91390 (13136 सिएरा हाइवे, कैन्योन कंट्री, कैलिफोर्निया) • (661) 251-9424 चर्च की हर आराधना विधि के बाद भोजन दिया जाता है। चर्च की आराधना विधि में जाने-आने के लिए हॉलीवुड, कैलिफोर्निया के हॉलीवुड बूल्वा एवं हाईलैंड एवेन्यू के नुक्कड़ से हर रोज शाम 6.30 बजे और रिववार दोपहर 1.30 बजे और शाम 6.30 बजे मुफ्त परिवहन की सुविधा उपलब्ध है।

पास्टर अलामो की पुस्तक *मसाया (मसीहा)* पाने के लिए कृपया हमसे संपर्क करें।

इस पुस्तक में बताया गया है कि यीशु ने मसीहा के बारे में बाइबिल में की गई 333 से भी अधिक भविष्यवाणियों को किस तरह पूरा किया। पास्टर टोनी अलामो के सभी प्रकाशन और उनके उपदेशों के सीडी और टेप बिक्री के लिए नहीं हैं। वे नि:शुल्क हैं। यदि कोई इस सामग्री के लिए कीमत

मांगे, तो कृपया इस नंबर पर फोन करके हमें सूचित करें (479) 782-7370। इस कॉल का शुल्क हम वहन करेंगे।

इस साहित्य में उद्धार के लिए सही मार्गनिर्देश दिए गए हैं (प्रेरितों के काम 4:12)। पढ़ने के बाद इसे फेंकें नहीं, दूसरों को दे दें।

यदि आप अन्य देशों में रहते हों तो कृपया इस सामग्री का अपनी मातृभाषा में अनुवाद करें।

यदि आप इस प्रकाशन को पुन: मुद्रित करना चाहें तो उस पर कृपया कॉपीराइट और पंजीकरण जरूर लिखें:

© कॉपीराइट नवंबर, 1995, 2006, 2010 सर्वाधिकार सुरक्षित विश्वव्यापी प्रचारक टोनी अलामो (World Pastor Tony Alamo) ® पंजीकरण नवंबर, 1995, 2006, 2010

Hindi-Volume 06000-Dry Bones